POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A.-I (Hons.), Paper-I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College,
Tajpur, Samastipur

समाजवाद

18वीं 19वीं शताब्दी में व्यक्तिवादी विचारधारा के विरुद्ध प्रतिक्रिया के रूप में समाजवाद का जन्म हुआ। और यह विचारधारा तेजी से लोकप्रिय हुआ। प्रत्येक देश द्वारा किसी न किसी रूप में इसे ग्रहण करने का प्रयत्न किया जाता है। समाजवाद का आधारभूत समानता की स्थापना करना है। यह मानता है कि उत्पादन के साधनों पर सम्पूर्ण समाज का अधिकार होना चाहिए। उत्पादन व्यवस्था का संचालन सामूहिक हितों को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए।

रैम्जे मैकडोनाल्ड के अनुसार, "सामान्य शब्दों में समाजवाद की इससे अच्छी परिभाषा नहीं दी जा सकती है कि समाज की भौतिक तथा आर्थिक शक्तियों को संगठित करना और उनपर मानवीय शक्ति का नियंत्रण स्थापित करना चाहता है।"

समाजवाद आधारभूत रूप में एक लोकतांत्रिक विचारधाराधारण करती है। इस विचारधारा के अनुसार राज्य के द्वारा वे सभी कार्य किए जाते हैं जो व्यक्ति और समाज की उन्नति के लिए आवश्यक हों। इस विचारधारा के प्रमुख समर्थक मार्क्स, एंजेल्स आदि हैं।

Scanned with CamScanner